'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Honours 3rd Semester Examination, 2023

CC6-HINDI (306)

छायावादोत्तर हिंदी कविता

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×4 = 12

(क) 'यह तुम थी' कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए।

(ख) 'पैतृक सम्पत्ति' कविता में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'सोन मछली' कविता अज्ञेय के किस काव्य-संग्रह में संकलित है ? इसका प्रकाशन वर्ष लिखिए।

(घ) ''कुछ भी लिखने से पहले हंसता और निराश होता हूँ मैं''– इस कथन में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) भवानी प्रसाद मिश्र के 'बिम्ब-बौध' स्पष्ट कीजिए।

(च) 'कुआनो नदी' कविता के शीर्षक पर विचार कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) 'प्रतिबद्ध हूँ, जी हाँ, प्रतिबद्ध हूँ –
बहुजन समाज की अनुपल प्रगति के निमित्त
संकुचित 'स्व' की आपाधापी के निषेधार्थ ......
अविवेकी भीड़ की 'भेड़िया-धसान' के खिलाफ़ .....।

(ख) क्या ? देख न सकती जंजीरोंका गहना ?
हथकड़ियाँ क्यों ? यह ब्रिटिश-राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ ? – जीवन की तान,
मिट्टी पर अँगुलियों ने लिक्खे गान ?

(ग) तारों में है संकेत ? चाँदनी में छाया ?
बस यही बात हो गई सदा दुहराने की ?
सनसनी, फेन, बुदबुद, सब कुछ सोपान बना
अच्छी निकली यह राह सत्य तक जाने की।

(घ) बूँद टपकी एक नभ से
ये कि जैसे आँख मिलते ही
झरोखा बंद हो ले
और नूपुर ध्वनि, झमक कर
जिस तरह द्रुत छंद हो ले

(ङ) तुम्हारे साथ रहकर
अक्सर मुझे महसूस हुआ है
कि हर बात का एक मतलब होता है,
यहाँ तक कि घास के हिलने का भी,
हवा का खिड़की से आने का
और धूप का दीवार पर
चढ़कर चले जाने का।

(च) हम निहारते रूप
काँच के पीछे
हाँफ रही मछली
रूप-तृषा भी
(और कांच के पीछे)
है जिजीविषा।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 12×2 = 24

(क) ''कवि केदार की जनवादी लेखनी पूर्णरूपेण भारत की सोंधी मिट्‌टी की देन है''– इस कथन की तर्कसंगत विवेचना कीजिए।

(ख) रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य में अभिव्यक्त राष्ट्रीय चेतना के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

(ग) रघुवीर सहाय के काव्य में अभिव्यक्त विसंगतियों एवं विद्रूपताओं के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।

(घ) 'नयी कविता' के संदर्भ में अज्ञेय की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

——×——